

सम्पादकीय

सम्पादकीय

सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए

पिकेटी का सुझाव है कि भारत को जीडीपी-टैक्स अनुपात में सुधार कर अतिरिक्त संसाधन इकट्ठा करना चाहिए। उसका निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है। बढ़ती आर्थिक गैर-बराबरी पर राजधानी में एक गंभीर चर्चा हुई। इसमें दो नजरिए उभर कर सामने आए। एक नजरिये की नुमानंदगी भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने की। उन्होंने कहा कि न्यायपूर्ण आर्थिक विकास को मापने का पैमाना आमदनी की गैर-बराबरी कम करना नहीं, बल्कि गरीबी घटाना है। उन्होंने दावा किया कि पूँजी पर टैक्स लगाने से निवेश नहीं बढ़ेगा, बल्कि पूँजी का पलायन शुरू हो जाएगा। उनका यह दावा भी दिलचस्प है कि समानता थोपने से सूक्ष्म एवं लघु व्यापार को अधिक क्षति पहुँचती है। ऐसी कोशिश को नागेश्वरन ने सीमा लगाने का अत्याचार बताया और कहा कि ऐसा करने पर छोटे कारोबारी छोटे ही रह जाए। 1% गैर-बराबरी, आर्थिक वृद्धि एवं समावेशन' विषय पर हुई इस चर्चा में दूसरा पक्ष विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी रख चुके थे। अपिकेटी ने अपनी चिर-परिचित राय रखी कि भारत को जरूरत जीडीपी-टैक्स अनुपात को सुधारने की है। उनका सुझाव है कि भारत को सबसे धनी एक फीसदी लोगों पर दो फीसदी धन कर लगाना चाहिए जाए और आय कर व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। इससे इकट्ठा अतिरिक्त संसाधनों का निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है। मगर नागेश्वरन की बात से साफ है कि भारत सरकार इस नजरिए से बिल्कुल सहमत नहीं है। बहरहाल, चूंकि उन्होंने न्यायपूर्ण विकास को मापने का पैमाना गरीबों की संख्या में गिरावट को बताया, तो यह मुद्दा उठेगा कि अरिहर गरीबी को मापने की कसौटी क्या हो? भारत सरकार ने सामान्यत-मान्य कसौटियों को ताक पर रखते हुए जो पैमाना अपनाया है, उसे इस क्षेत्र के विशेषज्ञ स्वीकार करने को तैयार नहीं है। सबसे पहले तो सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए हैं। उसे ठीक करने की जरूरत है। फिर बेहतर होगा, सरकार प्रति दिन प्रति व्यक्ति कैलोरी की उपलब्धता के पुराने पैमाने को आधार बनाए। उस पर देखा जाए, तो असल में गरीबों की संख्या बढ़ी है। फिर भी क्या नागेश्वरन कहने की स्थिति में हैं कि जिस सरकार के बे सलाहकार हैं, उसकी नीतियों से गरीबी में ह्रास हुआ है?

जिंदगी बहुत हसीन है,
कभी हंसाती है, तो कभी रुलाती है,
किन जो जिंदगी की भीड़ में खुश रहता है,
जिंदगी उसी के आगे सिर झुकाती है!

सराकार



नदी जोड़ो अभियान, एक सदी का सपना..

३०

विषय है। इसका श्रेय सभी पार्टियों के लेने की कोशिश भी करती हैं लेकिन इन परियोजनाओं का इतिहास 100 साल से भी अधिक पुराना है। इस इतिहास को जानकर यह समझा जा सकता है कि सपनों के फलीभूत होने में सैकड़ों साल वर्ष तपस्या शामिल होती है। इसमें केवल एक व्यक्ति अकेला नहीं है, बल्कि सरकारों के निरंतर और सकारात्मक प्रयास हैं। हालांकि गुलाम भारत 1900 के दशक में एक अग्रेसिव इंजीनियर आर्थर कॉटन ने भारत वनों की नदियों को जोड़ने की कल्पना की। उसका उद्देश्य था कि नदियों को अतिरिक्त जल से बड़ी-बड़ी नदियों का बनाकर जल मार्गों की वृद्धि की जाए। इसकी सकती है जिससे ब्रिटिश सरकार व्यापारिक सुविधा मिलेगी तथा दक्षिण भारत के तथा उड़ीसा के सूखे की निपटा जा सकेगा और वहां पर्यावरण का अतिरिक्त जल भेज कर उत्पादन वृद्धि भी की जा सकेगी। किंतु इसकी आने वाले खर्च को देखकर ब्रिटिश हुक्मूमत भी आगे नहीं बढ़ी और यह ठंडे बस्ते में चली गई देश आज

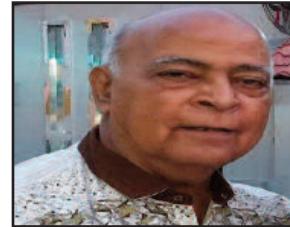
राशिफल



	मेष	आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। जॉब कर रहे लोगों को आज दिए गए काम को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे आज एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।
	वृष्णि	आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में लाभ बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।
	मिथुन	आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरबालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।
	कर्क	आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़े से कुछ प्रेरणा मिलेंगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े-बुर्जुआपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगे।
	सिंह	आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करें। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।
	कन्या	आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर पर अपना कुछ समय बिताएंगे। आज यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आप परिवार के किसी काम में व्यस्त हो सकते हैं। छोटे उद्यमियों के लिये दिन ठीक रहेगा।

आर्थिक मोर्चे पर सफलता की कुंजी थे मनमोहन सिंह

— नोटी सरकार के लिए भी 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का रास्ता खोला —



अशोक भाटिया

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी मृत्यु की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। 92 वर्षीय डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक करियर में देश को कई ऐतिहासिक सुधार और योजनाएं दीं जिनका प्रभाव आज भी देखा जा सकता है। डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी आर्थिक सुधारवादी सोच और कल्याणकारी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनके नेतृत्व में देश ने कई ऐसे कानून और नीतियां अपनाईं जिन्होंने लाखों नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया। मनमोहन सिंह को 1991 में भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए जाना जाता है साथ ही मनमोहन सिंह का नाम शीघ्र अर्थशास्त्रियों की फैरिस्ट में समानांग से लिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर वह नहीं तो 1991-92 में भारत अर्थिक रूप से अपांग हो गया होता। उहोंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहा राव मिलकर भारत की अर्थिक दिशा ही बदल दी। आज दुनिया भर के देशों की भारी भाजार बाजार पर नजरें हैं। हर विकसित देश को भारत का % खुला भाजार% निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है जो बाजार को खुला छोड़ने के लिए पहला कदम आज से ठीक 33 साल से पहले उठाया गया था। दरअसल

बतौर वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने आज ही के दिन यानी 24 जुलाई 1991 में अपना पहला बजट संसद में पेश किया था। भारत के इतिहास में मनमोहन सिंह के पहले बजट को अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर बजट माना जाता है। मनमोहन सिंह ने इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट पॉलिसी में बदलाव कर भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया था। एक तरह से 1991 में पीवी नरसिंहा राव सरकार ने देश से लाइसेंस राज को खत्म करने का ऐलान कर दिया था। जबकि यह सरकार कुछ महीने पहले ही बनी थी। 21 जून 1991 को पीवी नरसिंहा राव देश के नए प्रधानमंत्री बने थे। दरअसल, मनमोहन सिंह के पहले बजट ने देश का आर्थिक माहौल बदलना शुरू कर दिया। क्योंकि बजट में मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था के लिए उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की राह पर चलने का ऐलान कर दिया था। पिछले 33 वर्षों में भारतीय इकोनॉमी को इसी राह पर मजबूत कामयाबी मिली है, और अब 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की बात होने लगी है। आज भारतीय खजाना विदेशी मुद्रा भंडार से भरा हुआ है। तीन जुलाई, 2021 तक विदेशी मुद्रा भंडार 611 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन 30 से पहले 1991 में जब मनमोहन सिंह वित्तमंत्री बने थे, तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 5.80 अरब डॉलर का था। जिससे सिर्फ दो हफ्तों तक ही आयात किया जा सकता था। अर्थव्यवस्था के लिए यह सबसे कठिन दौर था। साल 1991 में भारत का भुगतान संतुलन इतना बिगड़ा कि देश को सोना गिरवी रखना पड़ गया था। लेकिन इस संकट से उत्तरने के लिए बजट में भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए

केंद्र में ही कलता 1 में सोना। साल 1991 गणभग 1 33 ग 78 क रहा व्यक्ति, जो रुपये बचों में बढ़े 27 प्रति नगर कियों एकरण ने भी पहले महज साल वित्त-संबंध 5 तक 1991 था। ज में स है। न्टर में ए गए जों की 1 में गई। 196 गन में बाद क रह

गए हैं। मोदी सरकार सरकार इसमें कम करने की बात कर रही है। स्वर्ग डॉ. मनमोहन सिंह ने दियूनिवासिंटी में इकोनॉमिक्स प्रोफेसर, भारतीय रिजर्व बैंक (ऋष्टहृ) के गवर्नर, देश के वित्त मंत्री से लेकर 10 साल तक देश प्रधानमंत्री रहने तक देश व अर्थव्यवस्था और तरकी में महत्व योगदान दिया। साल 2004 2014 के बीच उनकी सरकार ने ऐसे बड़े फैसले किए थे, जिसने देश के लोगों की तकदीर बदली, साथ ही देश की इकोनॉमी में भी तेजी लाने का काम किया। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ काम ऐसे किये जिन जनता आज भी याद रखती है। अमनमोहन सिंह की सरकार के सब बड़े इकोनॉमिक रिफॉर्म के बारे पूछा जाए, तो वह महात्मा गांधी राष्ट्रग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) कानून का पास कर जाना था। इस एक कानून ने देश पलायन की समस्या पर रोक लगाने अहम भूमिका अदा की। इतना नहीं, इस कानून की वजह से गांधीराब और अकुशल लोगों के लिए 100 दिन का गारंटीड रोजगार मिल सुनिश्चित हुआ। इस कानून ने 200 की मंदी में देश के अंदर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बचाए रखने का काम किया। मनमोहन सिंह की सरकार में सूचना का अधिकार पारित किया गया। इस एक कानून ने इकोनॉमी ट्रांसपरेंसी लाने का बड़ा काम किया। इससे सरकार की जवाबदेही उत्तरके पारदर्शिता सुनिश्चित हुई, और ओवरऑल इकोनॉमी के लिए एक अच्छा कदम साबित हुआ। मनमोहन सिंह की सरकार में एक और बड़ा काम 'भोजन के अधिकार' का हुआ। इसके तहत देश के गरीब लोगों द्वारा रियायती दर पर भोजन देने का

प्रावधान किया गया। इसका फायदा ये हुआ कि देश की एक बड़ी आबादी भूख की चिंता करके देश की इकोनॉमी में अपना योगदान दे सकी। आज देश में जो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है, वह इसी कानून की बदौलत है। इस कानून ने कोविड के दौरान देश के गरीब लोगों की बहुत मदद की। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश की अंतरिक्ष (स्पेस) इकोनॉमी को पावर बूस्ट मिला था। उसी दौर में देश की स्पेस एजेंसी इसरो ने अपने स्पेस क्राफ्ट चंद्रमा और मंगल पर भेजे। इस एक कदम ने भारत को ये ताकत दी कि वह पारग्रही स्पेस मिशन भेजने में भी सक्षम है। मनमोहन सिंह की सरकार के समय में ही भारत के अंतरिक्ष मानव मिशन की रूपरेखा को अमलीजामा पहनाया गया। मनमोहन सिंह की सरकार ने देश की इकोनॉमी, युवाओं और भविष्य की जरूरत को समझते हुए स्किल डेवलपमेंट पर काम किया। उन्हीं के कार्यकाल में स्किल डेवलपमेंट मिशन की नींव पड़ी, जो आज के समय में कौशल विकास मन्त्रालय का रूप ले चुकी है। इकोनॉमी की ग्रोथ की लिहाज से उनकी सरकार का ये कदम काफी अहम था, क्योंकि ये देश की बढ़ती इकोनॉमी के लिए स्किल्ड वर्क फोर्स को तैयार करने का कदम था। आज मोदी सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किये कामों से बहुत सहायता मिली है। आज भारत की विदेश नीति को पूरी दुनिया में सराहा जाता है, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी जिस सफल विदेश नीति का संचालन कर रहे हैं, उसका आधार देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह ने ही

समस्यायक

आजाद भारत के इतिहास में बताए
कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी

योदी राज वैसे ही संसद, संविधान, कोर्ट-कचहरी, विपक्ष, मैडिया आदि उन तमाम संस्थाओं का आज व्यवहार है, जिससे देश, कौम, नस्ल, धर्म, सभ्यता की वह शर्म है जो आजाद भारत के इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज होगी। इमनदारी से सोचें, सन् 2014 में निर्वाचित संसद के काम से लेकर इस सप्ताह की संसदीय घटनाक्रम में ऐसा तनिक भी कुछ है जैसा कांग्रेस, विपक्ष या वाजपेयी राज में था? तब की संसद कैसी थी, कैसे चलती थी और वही अब मोदी राज की संसद का क्या अनुभव है? जाहिर है जैसा प्रधानमंत्री, वैसा राज और वैसे ही बाकी सब। जैसा मोदी राज है वैसा विपक्ष है। और दोनों में इतनी भी समझ नहीं कि संसद और उसका परिसर पूरे भारत, पूरे देश के प्रतिनिधित्व का विशेषाधिकारार्पण गरिमामय स्थान है। जैसे लाल किले के बादशाह का दरबार ए खास या दरबार ए आम हुआ करता था। उस स्थान पर यदि पानीपत के मैदान वाली लड़ाई की शत्रुता में लाठियां (तख्तियां, भीड़) लेकर संसद लड़े और उसके फैसले में चांदीनी चौक का कोतवाल जांचकर्ता हो तो वह कौम के लिए शर्म, कलंक, ड्रूब मरे वाली क्या स्थिति नहीं है? ऊपर से हुजूर (आज के नरेंद्र मोदी), उनके बजार खुद ही संसद की तौहीन व अपमान के लिए कोतवाल को बुलाकर उसके कान में फुसफुसा कर कहें यह मेरा विरोधी है, इस पर चार्जशीट बनाओ और कचहरी से जेल में बंद करवा दो। सोचें, संसद और उसके संसद कानून बनाने वालों के लिए उसी की व्यवस्था में, कानूनिनिर्माताओं की जगह में सांसदों के व्यवहार का जांतकर्ता, निर्णयकर्ता एक कोतवाल! लंदन की संसद, वेस्टमिनिस्टर या दुनिया के किसी भी सभ्य लोकतंत्र में यह नजारा कभी देखने को नहीं मिला (और न मिलेगा) कि सांसदों की भीड़ में धक्कामुक्की हुई, तो प्रधानमंत्री के संसद तुरंत बगल की कोतवाली जा कर एक अर्डाई आर कराएं। दुनिया बीड़ियों पर यह नौटंकी देखे कि सिर पर एक चिपी, फिर पट्टी, फिर पूरा सिर मानो ऑपरेट हुआ हो जैसा बड़ा पट्टा दिखला नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ कोतवाल द्वारा ताउम कैद की तमाध धाराओं में जांच सोचें, लाल किले के किस मुगल बादशाह या नेहरू से ले कर डॉ. मनमोहन सिंह के राज में ऐसा हुआ? खुद सत्तापक्ष अपनी ही विधायिका के सांसदों के झगड़े, धक्कामुक्की की कोतवाल के यहां रिपोर्ट दर्ज कराते हुए! यदि निर्वाचित सरकार, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की एक संसद की प्रक्रिया को भी शार्टिपूर्ण ढंग से नहीं चलवा पाए, विपक्ष के शेरो-गतिरोध और प्रदेशन का समाधान बातचीत से नहीं निकल पाए तो यह किस बात का प्रमाण है? मोदी सरकार द्वारा चरित्र, बुद्धि और अपना कलंकित इतिहास बनाने का! तब संसद, संसदीय प्रक्रिया, नियमावली, स्पीकर, सभापति, उप सभापति, संसद नेता और प्रतिपक्ष नेता, संसदीय परिसर के कारिदों आदि सबका क्या अर्थ है? उफ! बुद्धि, दिमाग, बेशर्मी और अहंकार। मुझे बहुत झटका लगा जब सुना कि धक्कामुक्की हुई और नेता प्रतिपक्ष को टारेगेट बना कर सरकार के सांसदों ने कोतवाल के यहां जा कर शिकायत दर्ज कराई। क्या पतन है नेहरू राज से मोदी राज का! कल्पना करें ऐसा ही बाकर यदि वाजपेयी-आडवाणी के राज में हुआ होता? पहली बात वे अपनी संसद में ऐसी नौबत नहीं आने देते कि पचास-पचयन साल के विधायिकी अनुभवों वाले सांसदों के मुंह से यह शिकायत सुनाई दे कि उहें बोलने नहीं दिया जाता! उनके माइक बंद हो जाते हैं। उनके मुद्दे, नोटिस, बहस की मांग नहीं मानी जाती आदि, आदि। दूसरी बात, वाजपेयी और आडवाणी दोनों नेता विपक्ष को बुलाकर मंत्रणा, मान मनौव्वल, मनाने या उनकी मांग मानने के लिए हमेशा तत्पर हुआ करते थे। मैं आपने ध्यान है कि वाजपेयी राज में संसद भवन में सावरकर की तस्वीर लगी तो पूरे विपक्ष का जबरदस्त गुस्सा था, मगर बात का बतांग नहीं हुआ जो अंबेडकर के मौजूदा बवाल में हुआ है। वाजपेयी यकि भाजपा राज की संसद ने सावरकर की तस्वीर लगाई तो लगाई। यह नहीं हुआ कि विपक्ष की आपत्ति पर भाजपा के सांसदों ने सावरकर के प्रति कांग्रेस सरकारों की उपेक्षा की तख्तियां ले कर तब की नेता विपक्ष सोनिया गांधी का रास्ता रोकने का हंगामा किया। और यह तो कल्पना ही नहीं संभव जो सत्ता पक्ष के सांसद को चोट लगे तो आडवाणी अपने सांसदों से कोतवाली जा कर शिकायत कराएं कि सोनिया गांधी ने धक्का दिया और हमारा बुरुग संसद ध्याल हुआ। एक अर्डाई आर दर्ज करो तथा सोनिया गांधी को तलब करो। ऐसो, यथा राजा तथा भाजपा। यथा राजा तथा सरकार। यथा राजा तथा संसद।

संक्षिप्त खबरें

युवक की हत्या में चार नामजद एवं तीन अङ्गात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मानवाधारा प्रतापगढ़। बुधवार को शाम युवक गो समीप की हत्या में चार नामजद सहित तीन अङ्गात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस टीमें बदलायोंगे तत्काल में दर्शक दे रही हैं। आज दोपहर बाजार में शेव पोस्टमार्टम के बाहर घर हुनरे पे कोहराम मच गया। शर्करा घर पहुंचे पर गांव तथा पड़ोस के लोगों की भौंड इकट्ठा हो गई। लोगों ने बदलायोंगे को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की बैठकिस्तान किया जाएगा। मृतक के घर पर जेटवारा, मानवाधारा, देल्हीपुर की पुलिस तैनात रही रही एस औ मानवाधारा सुभाष यदव ने बताया कि मृतक के मामा साभित अंती की तरीर पर चार नामजद सहित तीन अङ्गात के खिलाफ मुकदमा अंजीकृत कर लिया गया है। जल्द से जल्द मूर्खजामों को गिरपारा करके कार्यवीरी की जाएगी।

जग्नीनी विवाद में मारपीट, छह लोग घायल

कुंडा प्रतापगढ़। हथियां थाना क्षेत्र के मिश्र दिलापुर गांव में जीवन को लेकर दो पक्ष में विवाद हुआ तो एक पक्ष हालातवार हो गया। इसमें मारपीट में 64 वर्षीय हरिश्वर सरोज, उम्रकी 62 वर्षीय पती लली देवी, 18 वर्षीय पुरी शालू, 23 वर्षीय बेटा पुष्म सरोज, 21 वर्षीय बेटा प्रदीप सरोज घायल हो गया। जबकि दूसरे पक्ष से कहुंशु मुर्खजाम की 18 वर्षीय बेटी पूर्ण मरोज घायल हो गई। परिजनों ने घायलों को सीएच्सी में भर्ती करवा और मामले को लेकर दोनों पक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच करके कार्रवाई की बात कही है।

राजा भड़िया से मिला पीड़ित, कहा कि जांच के नाम पर पुलिस कर रही परेशान

कुंडा प्रतापगढ़। राज भवन बेंत में आयोजित जनता दरबार में शुक्रवार को जनसत्ता दल लोकात्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भड़िया से मानिकपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव निवासी शिवलाल पटेल ने मिलकर बताया कि मानिकपुर पुलिस जांच के नाम पर परेशान कर रही है। 10 जुलाई को उसकी पती दोनों बच्चों को लेकर खेत से घर लौट रही थी। गांव के समीप पानी घेरे गए के पास पहुंचे पर ऐर फिसल तो दूजे से तीनों को मारी हो गई थी। पती की मायकेवालों ने न्यायालय के जरिए दोहन हत्या को रिपोर्ट दर्ज करा दी। मामले की विवेचना सीधी कुंडा कर रहे हैं। पीड़ितों ने मामले में गांव के 13 लोगों की गवाही का शपथपत्र भी रखा दिया है। इसके बावजूद पुलिस परेशान कर रही है। राजा भड़िया ने पीड़ित को न्याय का भरोसा दिलाया है।

दुर्घटना का आरोपी धराया, गाया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस द्वारा किशोरी के साथ दुर्घटना के आरोपी को शुक्रवार को दबावाकर जेल भेज दिया गया। थाने के दरोगा अमरेश यादव फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। खोरी जिले के खरवहिया गांव का निवासी दुर्घटना के मुकदमे में वांछित अरोपी आनंद कुमार के पुत्र अंकित कुप्तार पुलिस को हाँड़े चौराहे पर दिखा गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। दोपहर बात वांछित अरोपी को जेल भेज दिया गया।

सड़क हादसे में युवक जख्मी, हालत गंभीर

कुंडा प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के खण्डनिया भद्रसिव कुसुमापुर गांव निवासी माता बदल पटेल का 45 वर्षीय बेटा पासर नाथ पटेल बाइक से कहीं जा रहा था। जिसे ही बहुत हालातवार परहंसे एवं अपने बहन के बहाने दिनांक 26 दिसंबर को 9-51 पर

प्रतापगढ़/रायबरेली

अटल जी के कृतियों को अपने जीवन में आत्मसात करना जरूरी- सीमा द्विवेदी

लोकमित्र व्यूरो

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के पृथ्वीगंज बाजार में स्थित भगवती प्रसाद इंटर्नीडिट कॉलेज एवं बीपी शिशु पायदर्शक के बाहर घर हुनरे पे कोहराम चग्न घर पहुंचे पर गांव तथा पड़ोस के लोगों की भौंड इकट्ठा हो गई। लोगों ने बदलाया की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही की है। लोगों का कहना है कि वीस साल पहले पिंडी की हत्या का बेटे ने बदला लिया। मृतक खुद भी बदलायोंगे प्रवृत्ति का था। मानवाधारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं जो अभी तक न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोई मरने पर अफकोस जाता रहा है। जिनमें सुहृद उन्नी बातें कर रहा है। मृतक का अंतिम संस्कार शाम छह बजे ही क

सुलतानपुर/बलरामपुर

शिद्धा के साथ बच्चों को मर्टी का अवसर जरूरी- सुयथा आनंद

सेंट जेवियर्स में जेवियर्स वंडरलैंड विंटर कॉर्नवाल का हुआ शुभारंभ, बच्चों में रहा उत्साह व उमंग का माहौल

बलरामपुर। सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बलरामपुर में जेवियर्स वंडरलैंड विंटर कॉर्नवल का आयोजन किया गया। विंटर कॉर्नवल में बच्चों के साथ साथ उनके अधिकारियों ने भी शिक्षकत की। जारी में जमकर कॉर्नवल में मर्टी किया है।

विंटर कॉर्नवल कार्यक्रम का शुभारंभ बहुत ही भव्यता के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अंतिम विद्यालय प्रबंध समिति के निदेशक सुयथा कुमार रहे। विंटर कॉर्नवल में मुख्य अंतिम सुयथा कुमार के द्वारा सर्वप्रथम खुशी की मूर्ति के समक्ष कैंडल जलाइ गई। कार्यक्रम के शुरूआत की अपीचारिक घोषणा कॉर्नवल बेल बजाकर की गई। इसी क्रम में नन्हे मुर्हे बच्चों द्वारा जंगल बेल की धून पर शनदार डास प्रस्तुत की गई। सेंटा के द्वारा भी लोगों में टाँफी और चॉकलेट्स बाटी गई। विंटर कॉर्नवल कार्यक्रम में संयोग तोरप व रिजासा सिद्धीकी के मार्गांश्चरण में चंचलान की भूमिका वैध्वती दुबे, ओंकार शर्मा, वैष्णव रामा, अभ्युत्तु, तारुली राणा, भाव्या पांडे और आइसना ने सफलतापूर्वक किया।

विंटर कॉर्नवल कार्यक्रम 10:00 से शाम 3:00 बजे तक आयोजित किया गया जिसके मुख्य अंकरण



गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

कॉर्नवल में क्लास 6 वीं के कॉर्टर पर

बच्चों और अधिकारी सर शिक्षक कर

के मौर्य सर विनीत सर एवं आशीष

आकांक्षा वैध्वती अनुराधा सिंह और

अनुपमा सिंह के द्वारा बजर र स, एंग्री

बड़, कैंडल एंड मैचेट्स बैलून

प्रिमिड खेल बच्चों ने खेले।

कॉर्नवल में क्लास 7 वीं के कॉर्टर पर

बच्चों और अधिकारी सर शिक्षक कर

के मौर्य सर विनीत सर एवं आशीष

आकांक्षा वैध्वती अनुराधा सिंह और

अनुपमा सिंह के द्वारा बजर र स, एंग्री

बड़, कैंडल एंड मैचेट्स बैलून

प्रिमिड खेल बच्चों ने खेले।

कॉर्नवल में क्लास 8 वीं के कॉर्टर पर

बच्चों और अधिकारी सर शिक्षक कर

के मौर्य सर विनीत सर एवं आशीष

आकांक्षा वैध्वती अनुराधा सिंह और

अनुपमा सिंह के द्वारा बजर र स, एंग्री

बड़, कैंडल एंड मैचेट्स बैलून

प्रिमिड खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

कॉर्नवल में क्लास 9 वीं के कॉर्टर पर

बच्चों और अधिकारी सर शिक्षक कर

के मौर्य सर विनीत सर एवं आशीष

आकांक्षा वैध्वती अनुराधा सिंह और

अनुपमा सिंह के द्वारा बजर र स, एंग्री

बड़, कैंडल एंड मैचेट्स बैलून

प्रिमिड खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

द्वारा बाउलिंग बॉल, रॉलर शार्ट, मैच द

करत क्लॉर्स ने खेल बच्चों ने खेले।

गेम कॉर्टर के तहत कॉर्नवल में

मिश्रा, वर्लीसर, अलमास मैम और

नन्दिनी सिंह, रोशन मदीहा,

शालिनी दुबे एवं आकांक्षा मिश्रा के

संक्षिप्त खबरें
संगठन महापर्व को लेकर बनाई गई कार्ययोजना, दिए दिशा निर्देश



बांदा। शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। इसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा दिए गए। संगठन महापर्व पर आगामी जानकारी देते हुए पार्टी की नीतियों पर अमल करने का आह्वान किया गया।

भाजपा के संगठन पर्व निवांचन प्रक्रिया अंतर्गत आवश्यक जिला कार्यालय में आयोजित कामकाजी बैठक में जिला प्रभारी रामकिशोर साहू ने बैठक में अपेक्षित पदाधिकारियों का वृत्त लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिंधियों और आदान-पर आधारीत राजनीतिक दल है। यह किसी परिवार, जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं को जोड़ने वाला सूख है-भारत के सांस्कृतिक मूल्य, हमारी निशाएं और भारत के परम वैभव का प्राप्त करने का संकल्प; और साथ ही यह आत्मविश्वास कि अपने पुरुषार्थ से हम इन्हें प्राप्त करेंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिला अध्यक्ष संजय रिंग ने सभी की आभार जताया। जबकि सचिवालय जिला महामंत्री अधिकारियों नाथ दीर्घित द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्ण जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता, अधिकारी श्रीविजय, बालभूमूल शुक्रवाना तथा लक्ष्मी सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जगराज सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रधा गुप्ता, बैठक चेयरमैन विवेकनंद गुप्ता, जिला महामंत्री कल्यू सिंह राजपूत, जिला उत्तरायण प्रेमनारायण द्विवेदी, मनोज पुरावर, डॉ धर्मेंद्र त्रिवारी, ममता मिश्रा तथा सीताराम वर्मा, पूर्व जिला महामंत्री राकेश मिश्रा, जिला कोषायास संतु गुप्ता, जिला मंत्री पंकज रेकवार, राजेश शुक्रवा, दिनेश यादव, मीडिया प्रभारी अनन्द स्वरूप द्विवेदी, पंचायत प्रकाष जिला सचिवालय राजनारायण द्विवेदी, राजेश सेन, महिला मंत्री जिला अध्यक्ष बद्ना गुप्ता, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहित गुप्ता, पूर्व चेयरमैन विजयपाल सिंह, देवप्रसूत द्विवेदी, विष्णु प्रताप सिंह, संतोष यादव, गिरजेश तिवारी, उत्तम सक्षमता, अंजीत प्रकाश गुप्ता, दिलाप तिवारी, निखिल सक्षमता, दीपक राजपूत, अनुप तिवारी, अमित निमाय, रंजीत सिंह, रामकृष्ण शुक्रवा, श्यामबाबू पाल, अनुप सिंह, रामबाबू त्रिपाठी, अमरपाणि त्रिपाठी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लीलाधारी की लीलाओं में प्रकृति और मानव कल्याण का संदेश - आचार्य नवलेश



बांदा। जब भगवान धरती पर अवतारित होते हैं, तो उनकी लीलाएं सिफ्फ खेल नहीं होतीं, बल्कि उनके मात्रायां से मानवता और भक्ति के लिए गहरे संदेश छिपे होते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं में भी यही संदेश खुला था। यह बाले भागवताचार्य भगवत रत्न आचार्य नवलेश महाराज ने कटारा रेड स्थित मैरिज हाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पाचवें शुक्रवार को श्रीमान्त्रियों को संबोधित करते हुए।

उन्होंने कहा कि भगवान की लीलाएं मानव की जीवन के लिए प्रेरणा और दिशा का कार्य करती हैं। श्रीकृष्ण ने बचपन में माखन चोरी से लेकर कलिया नाग के दमन तक, हर घटना के जरिए हमें प्रकृति और मानव जीवन के महत्व को समझता। बालकृष्ण के निरन्तर स्वभाव ने जहां पाया जाने का दिल जीता, वहां उनकी हर लीला ने पांच तत्वों-जल, वायु, मिथु, अनन्त और आकाश-को शुद्ध करने का कार्य किया। आचार्य नवलेश ने कहा कि भगवान ने गोवर्धन पवित्र उत्तर यत्कर हमें यह सिरियाया कि प्रकृति की रक्षा और पूजा आवश्यक है। आज मानव अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए पेंडों की अंधारुष कटाई कर रहा है, नियों का जलस्तर घट रहा है और पाहुड़ कीशें हो रही हैं। यह प्रकृति के साथ मानव का शोषण है, जो भविष्य में विनाशकारी सांवित हो सकता है। उन्होंने अगे कहा कि प्रकृति का दोहन उचित है, लेकिन शोषण नहीं है। हमें प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए, जितना हमारा जीवन के लिए आवश्यक हो। अगर हमने अपनी प्रवृत्ति नहीं बदलते, तो अनेक बाल समय हमारे लिए संकट बनकर खड़ा होगा। श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रीतांत्रों की अपार भीड़ देखी गई। महाराज श्री के प्रवर्चनों और भजनों पर श्रीता भावविनाय होकर झूम उठे संगतों का अद्भुत समन्वय राशवेदं जी और बिनोद ने प्रसुतु किया, जिसमें माहौल को मंत्रमुद्ध कर दिया। इस आयोजन के मुख्य आलोचक जीतेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी अंकिता शर्मा ऊर्फ बल्लि हैं। यह कथा उनके माता-पिता को समर्पित है। कथा के अंत में भगवान की मंगल आरती और प्रसाद वित्तण किया गया, जिसमें भक्तजन आनंदित हो चुके। महाराज श्री के प्रवर्चनों में न केवल भक्ति का संदर्भ था, बल्कि उन्होंने वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण पर भी जोर दिया। श्रीतांत्रों ने न केवल कथा का आनंद दिया, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाने की प्रेरणा भी प्राप्त की।

कालीफायर मुकाबले में स्पॉर्ट इलेवन टीम ने जीता मैच

बांदा। टैलेंट सर्च लीग प्रतियोगिता के दौरान शुक्रवार को 13वें दिन पहला कालीफायर मुकाबला स्पॉर्टेन 11 बनाम इंडिया कैपिटल के बीच खेला गया। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया कैपिटल की टीम के 106 रन बनाए। टैस जीतकर पहले बल्लेजी जीते हुए स्पॉर्टेन 11 ने 165 रन बनाए। सर्वाधिक रन शांतनु चौहान ने 100 रन व नीतीश राण ने 21 रन बनाए। इंडिया कैपिटल कि रहक से आयुर चौहान ने 3 व सूधांशु खेले ने 1 विकेट लिए। लक्ष्म का पीछे तरीके जीते हुए करने उत्तरी इंडिया क

